MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, ARA

ACTIVITY REPORT

Name of the Department: History

Name of activity: One Day Seminar on Women's Movement in Indian History

Level of activity: Departmental Departmental/Institutional/State/National/International

Date of activity:2-03-2021

Head of The department: Dr. Anupama

Name of Resource person/s: Padmshri Dr. Shanti Jain and Dr. Rajiv Kumar

Number of teacher participated:20

Number of students participated:31

Fruitful Outcome of the activity: Students learned the journey of various movement in Indian history that were significant for women's emancipation such as anti-dowry, women's writings etc. The students also learned how to present papers.

Signature

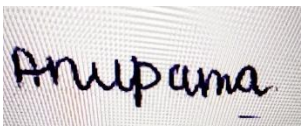

MEDIA COVERAGE/PHOTOGRAPHS

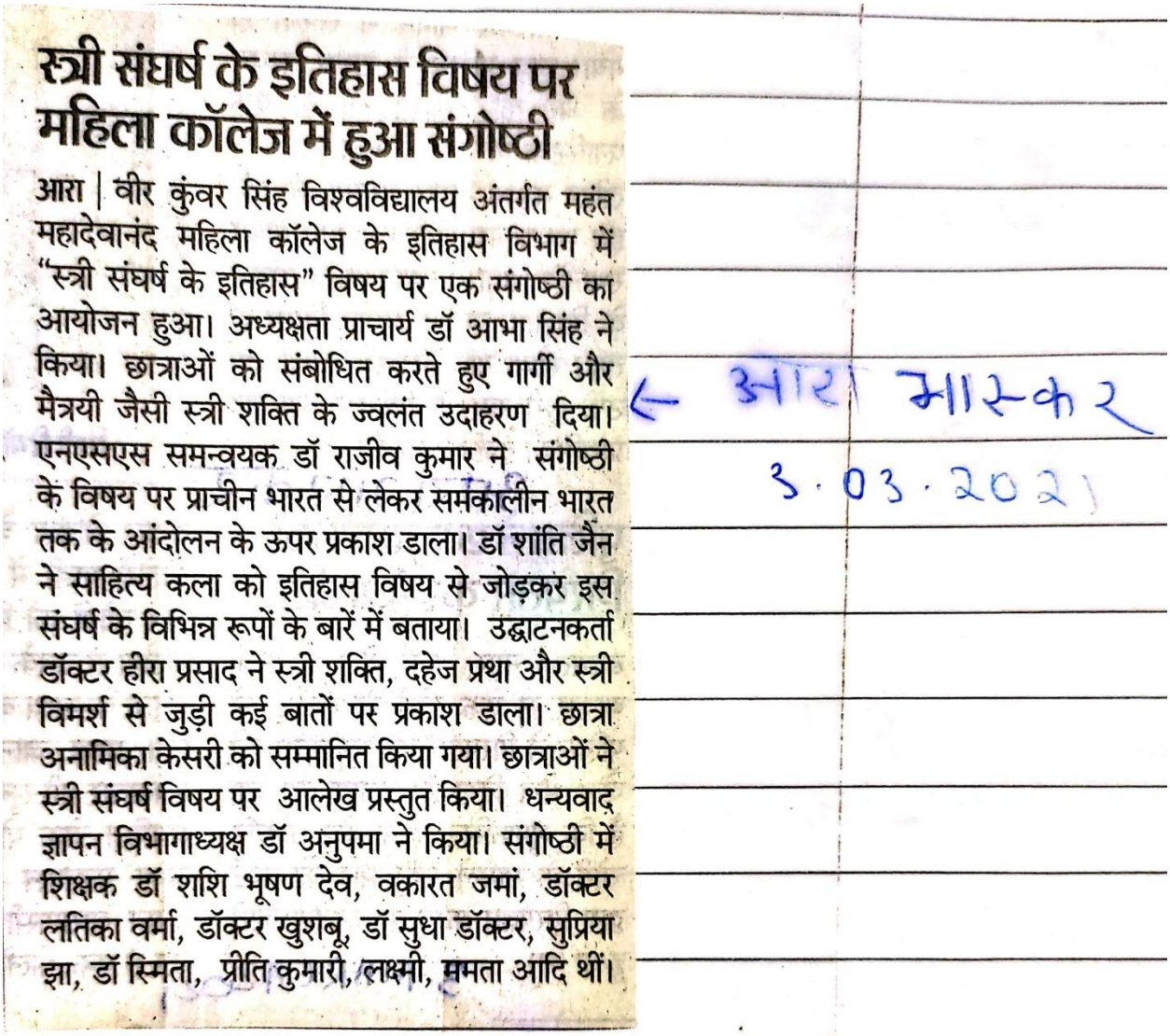

स्त्री संघर्ष के इतिहास विषय पर महिला कॉलेज में हुआ संगोष्ठी

आरा | वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत महंत महादेवानंद महिला कॉलेज के इतिहास विभाग में "स्त्री संघर्ष के इतिहास" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ आभा सिंह ने किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए गार्गी और मैत्रयी जैसी स्त्री शक्ति के ज्वलंत उदाहरण दिया। एनएसएस समन्वयक डॉ राजीव कुमार ने संगोष्ठी के विषय पर प्राचीन भारत से लेकर समकालीन भारत तक के आंदोलन के ऊपर प्रकाश डाला। डॉ शांति जैन ने साहित्य कला को इतिहास विषय से जोड़कर इस संघर्ष के विभिन्न रूपों के बारें में बताया। उद्घाटनकर्ता डॉक्टर हीरा प्रसाद ने स्त्री शक्ति, दहेज प्रथा और स्त्री विमर्श से जुड़ी कई बातों पर प्रकाश डाला। छात्रा अनामिका केसरी को सम्मानित किया गया। छात्राओं ने स्त्री संघर्ष विषय पर आलेख प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ अनुपमा ने किया। संगोष्ठी में शिक्षक डॉ शशि भूषण देव, वकारत जमां, डॉक्टर लतिका वर्मा, डॉक्टर खुशबू, डॉ सुधा डॉक्टर, सुप्रिया झा, डॉ स्मिता, प्रीति कुमारी, लक्ष्मी, ममता आदि थीं।

← आरा मार्निंग

3.03.2021

णाली को स्थापित किया गया।

हिन्दुस्तान 06
पटना • बुधवार • 03 मार्च 2021

समय के बदलाव के साथ सशक्त हो रहीं स्त्रियां

आरा | निज प्रतिनिधि

संगोष्ठी

- एमएम महिला कॉलेज में स्त्री संघर्ष का इतिहास पर संगोष्ठी
- प्राचीन भारत से लेकर समकालीन भारत के स्त्री आंदोलन पर डाला

वीर कुंवर सिंह विवि की अंगीभूत इकाई एमएम महिला कॉलेज में इतिहास विभाग की ओर से सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय स्त्री संघर्ष का इतिहास था। उद्घाटन दीप प्रज्वलित और महंथ महादेवानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

मौके पर प्राचार्या डॉ आभा सिंह ने गार्गी और मैत्रयी जैसी स्त्री शक्ति का ज्वलंत उदहारण दिया। विवि एनएसएस समन्वयक डॉ राजीव कुमार ने प्राचीन भारत से लेकर समकालीन भारत के स्त्री आंदोलन पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ शांति जैन ने साहित्य कला को इतिहास विषय से जोड़कर स्त्री संघर्ष के विभिन्न रूपों की जानकारी दी। कहा कि समय के बदलाव के साथ स्त्रियां भी बदल रही है। सेमिनार के उद्घाटनकर्ता विवि के सीसीडीसी सह पीजी इतिहास विभाग के हेड डॉ हीरा प्रसाद सिंह ने स्त्री शक्ति, दहेज प्रथा और स्त्री विमर्श से जुडी कई बातों पर प्रकाश डाला। कहा कि विश्व इतिहास में कई ऐसे उदाहरण है जो महिलाओं के संघर्ष को प्रस्तुत करते है।

इतिहास में कई महिलाओं के संघर्ष को रेखांकित किया। मौके पर अतिथियों का स्वागत प्राचार्या डॉ आभा सिंह व डॉ शुभा सिन्हा ने किया। छात्रा अनामिका को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। महिला कॉलेज की छात्राओं ने विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। मौके पर डॉ शशि भूषण देव, वकारत जमा, डॉ लतिका वर्मा, डॉ खुशबू, डॉ सुधा, डॉ सुप्रिया झा, डॉ स्मिता, छात्रा श्वेता, सकीना खातून, सोनाली पाण्डेय, ममता कुमारी आदि मौजूद थी।

आरा के एमएम महिला कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में मौजूद अतिथि।

प्रभात खबर 3 MARCH 2021

कैंपस प्रभात

महंत महिला कॉलेज में महिला दिवस पर स्त्री संघर्ष इतिहास विषय पर हुई संगोष्ठी

समय के साथ महिलाएं भी बदल रहीं

संवाददाता, आरा

महंत महादेवानंद महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा महिला दिवस के अवसर पर स्त्री संघर्ष के इतिहास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत महंत महादेवानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई. इसके बाद दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम किया गया. इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ आभा सिंह, डॉ शुभा सिन्हा एवं डॉ मनोज कुमार ने संगोष्ठी के उद्घाटनकर्ता डॉ हीरा प्रसाद सिंह, मुख्य वक्ता डॉ राजीव कुमार और डॉ शांति जैन को गुलदस्ता, मोमेंटो और शॉल देकर स्वागत किया. प्रधानाचार्य डॉ आभा सिंह ने स्वागत भाषण किया व दोनों ही वक्ताओं के कार्यक्षेत्र और स्त्री विमर्श के विषय में उनके महत्वपूर्ण होने की बात कहीं. उन्होंने गार्गी और मैत्रेयी जैसी स्त्री शक्ति का ज्वलंत उदाहरण दिया. डॉ राजीव कुमार ने प्राचीन भारत से लेकर समकालीन भारत के स्त्री आंदोलन पर प्रकाश डाला. जबकि डॉ शांति जैन ने साहित्य व कला को इतिहास विषय से जोड़कर स्त्री संघर्ष के विभिन्न रूपों के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि समय के बदलाव के साथ स्त्रियां भी बदल रही हैं. डॉ हीरा प्रसाद सिंह ने भी स्त्री शक्ति, दहेज प्रथा और स्त्री विमर्श से जुड़ी कई बातें कहीं. कार्यक्रम में छात्रा अनामिका को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया. महिला कॉलेज की इतिहास विभाग की छात्राओं ने स्त्री संघर्ष पर आलेख प्रस्तुत किया. इनमें श्वेता कुमारी, सकीना खातून, श्वेता तिवारी, सोनाली पांडेय, प्रीति कुमारी, लक्ष्मी, ममता कुमारी ने दहेज प्रथा, शाहबानो केस जैसे विषयों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अनुपमा ने किया. कार्यक्रम में शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, छात्राएं, विश्वविद्यालय से डॉ शशि भूषण देव, वकारत जमा, डॉ लतिका वर्मा, डॉ खुशबू, डॉ सुधा, डॉ सूर्य प्रकाश, डॉ स्मिता आदि उपस्थित थे.

उपस्थित प्रोफेसर छात्राएं व अन्य.

गोष्ठी को संबोधित करतीं डॉ शांति जैन.

स्त्री संघर्ष के इतिहास विषय पर महिला कॉलेज में संगोष्ठी

आरा (एसएनबी)। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई महंथ महादेवानंद महिला कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा महिला दिवस के अवसर पर स्त्री संघर्ष के इतिहास विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महंथ महादेवानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके तत्वपश्चात दीप प्रज्वलित किया गया। उसके बाद स्वागत गान आनंन्या तथा कुलगीत अनामिका केशरी, स्वेता, अंकिता, अंजलि तथा गोल्डी ने किया।

तदोपरांत प्रधानाचार्य डॉ आभा सिंह, डॉ शुभा सिन्हा, डॉ मनोज कुमार ने संगोष्ठी के उद्घाटन कर्ता डॉ हीरा प्रसाद सिंह, मुख्य वक्ता डॉ राजीव कुमार और डॉ शांति जैन को गुलदस्ता मोमेंटो और सौल देकर हार्दिक स्वागत किया। प्रधानचार्य डॉ आभा सिंह ने स्वागत भाषण में दोनों ही वक्ता के कार्य क्षेत्र और स्त्री विमर्श के विषय मे उनके महत्व पूर्ण होने की बात कही। उन्होंने अपने भाषण में गार्गी और मैत्रीयं जैसी स्त्री शक्ति के ज्वलंत उदाहरण दिया। डॉ राजीव कुमार ने बहुत ही कम, समय मे प्राचीन भारत से लेकर समकालीन भारत के स्त्री आंदोलन के ऊपर प्रकाश डाला। डॉ शांति जैन ने साहित्य कला को इतिहास विषय से जोड़कर स्त्री संघर्ष के विभिन्न रूपों को अपने विख्यान मे कहा उन्होंने कहा कि समय बदलाव के साथ स्त्रिया भी बदल रही है उद्घघाटनकर्ता डॉ हीरा प्रसाद ने स्त्री शक्ति, दहेज प्रथा और स्त्री विमर्श से जुड़ी कई बातें कही।

कार्यक्रम में मौजूद लोग।

कार्यक्रम में छात्रा अनामिका केशरी को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इतिहास विभाग की छात्राओं ने स्त्री संघर्ष पर आलेख प्रस्तुत किये जिनमें स्वेता कुमारी, सकीना खातून, स्वेता तिवारी, सोनाली पांडेय, प्रीति कुमारी, लक्ष्मी, ममता कुमारी दहेज प्रथा शाहबानो जैसे विषयों पर छात्राओं द्वारा प्रकाश डाला गया। संचालन और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ अनुपमा ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक गण, शिक्षककेतर छात्राएं सहित डॉ शशिभूषण देव, डॉ लतिका वर्मा, डॉ खुशबू, डॉ सुधा, डॉ सुप्रिया झा, डॉ स्मिता उपस्थित थी।

राष्ट्रीय सहारा 30 March 2021